Email : ideacitinews@gmail.com

एक नये कल के लिए एक नई आवाज

www.ideacitinews.com



आइडियासिटी

वर्ष : 5, अंक : 318

मंगलवार, 24 नवंबर, 2026



मास्टर प्लान-2047 से बिहारशरीफ के पारंपरिक उद्योगों की तस्वीर बदलेगी

बिहारशरीफ। नालंदा की पहचान सिर्फ ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं, बल्कि यहां की मिट्टी में सदियों से पल रहे हुनर और पारंपरिक कारोबार में भी बसती है। बसवान बिगहा की विश्वप्रसिद्ध बावन बूटी साड़ी हो या मोरातालाब के कारीगरों के हाथों तैयार होने वाले जूते-चप्पल, दोनों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन बदलते बाजार, आधुनिक तकनीक की कमी, पूंजी का अभाव और नई पीढ़ी की घटती दिलचस्पी ने इन पारंपरिक उद्योगों के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अब बिहारशरीफ के समग्र विकास के लिए तैयार मास्टर प्लान-2047 में इन दोनों उद्योगों को नई पहचान और नई बाजार व्यवस्था से जोड़ने की योजना सामने आई है। इसके तहत बसवान बिगहा में हैंडलूम विलेज और मोरातालाब में आधुनिक लेदर एंड फुटवियर पार्क विकसित करने की सिफारिश की गई है। योजना जमीन पर उतरती है तो स्थानीय कारीगरों के हुनर को बड़े बाजार तक पहुंचाने के साथ रोजगार और कारोबार के नए अवसर भी खुल सकते हैं। बसवान बिगहा की करीब 400 साल पुरानी बावन बूटी कला नालंदा की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है। इसकी खासियत साड़ी पर उकेरे जाने वाले 52 पारंपरिक रूपांकन हैं, जिनकी प्रेरणा बौद्ध कला और संस्कृति से जुड़ी है। इस कला को नई पहचान दिलाने में इसके पुरोधा स्वर्गीय कपिल देव प्रसाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। बावन बूटी साड़ी को जीआई टैग भी मिल चुका है। इसके बावजूद बाजार में मशीनी कपड़ों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और नई पीढ़ी की घटती रुचि बुनकरों के सामने चुनौती बनी हुई है। एक साड़ी तैयार करने में कारीगर को लगभग एक सप्ताह का समय लगता है और इसकी कीमत 1,500 से 8,000 रुपये तक होती है।

आइडियासिटी संवाददाता



विकसित करने की सिफारिश

मास्टर प्लान में इस कला को संरक्षित और विकसित करने के लिए बसवान बिगहा में हैंडलूम विलेज, 52 बूटी एक्सपीरियंस एंड क्राफ्ट म्यूजियम, रंगाई एवं फिनिशिंग के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर और डिजाइनिंग सेंटर विकसित करने की सिफारिश है। साथ ही इसे नालंदा के हेरिटेज टूरिस्ट सर्किट से जोड़ने की परिकल्पना है, ताकि पर्यटक सीधे इस पारंपरिक कला को देख और समझ सकें तथा बुनकरों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार मिल सके।

मोरातालाब में 35 इकाइयों को मिलेगा आधुनिक सुविधाओं का सहारा

दूसरी ओर, मोरातालाब का जूता-चप्पल उद्योग भी लंबे समय से अपनी मेहनत और सीमित संसाधनों के सहारे कारोबार कर रहा है। यहां वर्तमान में 35 छोटी-बड़ी लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर इकाइयां संचालित हैं। इनसे करीब 140 कारीगरों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है और सालाना लगभग 2.52 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस उद्योग से परिवहन, पैकेजिंग और कच्चे माल के कारोबार को भी सहारा मिलता है। हालांकि आधुनिक मशीनों, डिजाइनिंग सुविधाओं और सुलभ कर्ज की कमी के कारण यहां के उत्पाद बड़े बाजार में अपेक्षित प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए मास्टर प्लान में मोरातालाब में आधुनिक लेदर एंड फुटवियर पार्क विकसित करने की सिफारिश की गई है। यहां जूतों की टेस्टिंग, डिजाइनिंग और फिनिशिंग के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने, कारीगरों को सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराने और उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर बनाने की योजना है। इसके साथ ही बिहारशरीफ फुटवियर क्लस्टर के नाम से राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग कर उत्पादों को बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों और विदेशी निर्यातकों से जोड़ने का प्रस्ताव है।



योजना के क्रियान्वयन पर टिकी उम्मीदें

मास्टर प्लान-2047 में शामिल ये प्रस्ताव बिहारशरीफ के पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण संभावना पेश करते हैं। हालांकि इनकी वास्तविक सफलता प्रस्तावों के धरातल पर उतरने, वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, आधारभूत संरचना के विकास और कारीगरों तक सुविधाओं की पहुंच पर निर्भर करेगी। यदि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो बावन बूटी की विरासत को संरक्षण मिलने के साथ मोरातालाब के फुटवियर उद्योग को भी स्थानीय बाजार से आगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने का अवसर मिल सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और हुनर को रोजी-रोटी के मजबूत आधार में बदलने की उम्मीद जगेगी।

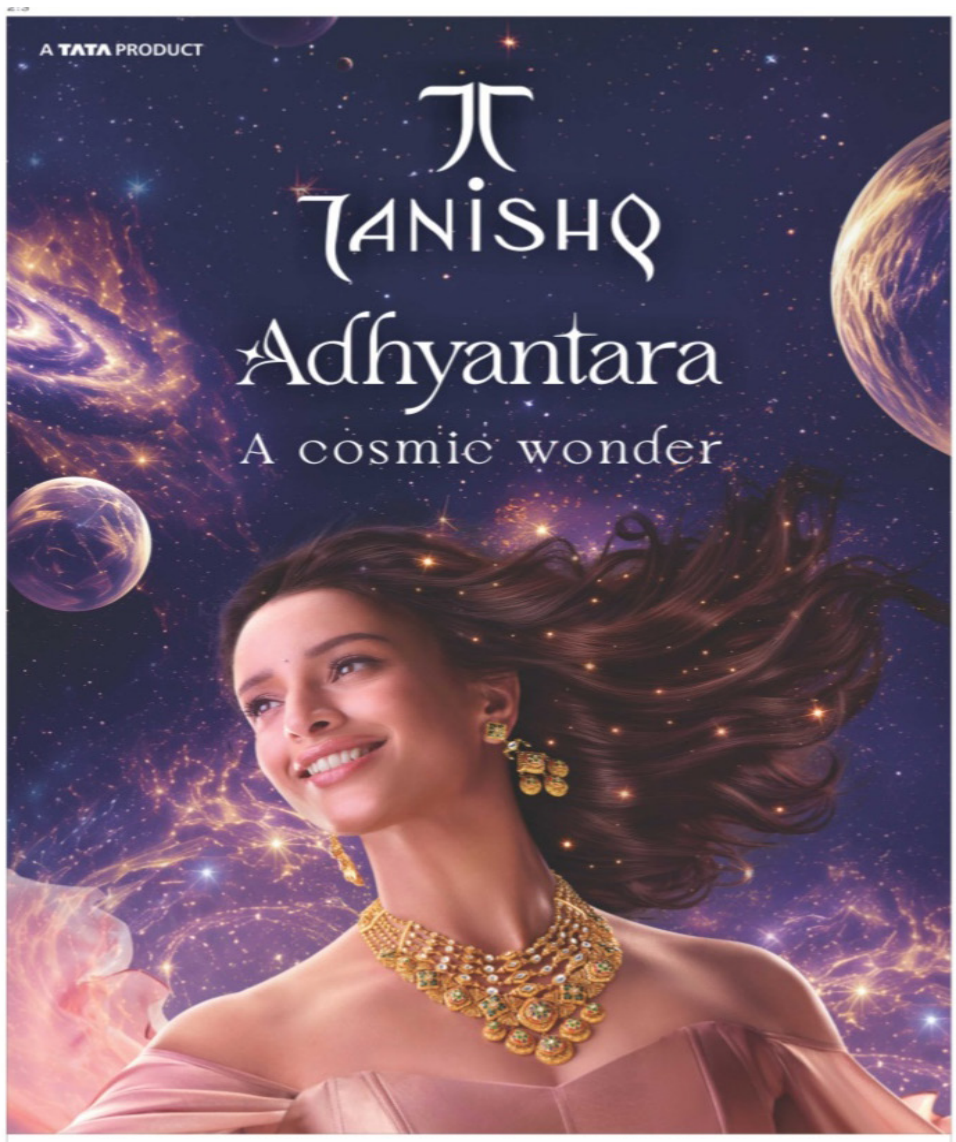

पीएमसीएच में कैंसर मरीजों के लिए 25 बेड और पांच विशेषज्ञ डॉक्टर, मुफ्त कीमोथेरेपी की सुविधा

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए अब गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पीएमसीएच ने महत्वपूर्ण पहल की है। अस्पताल की सीयूबी बिल्डिंग में कैंसर मरीजों के लिए 25 बेड और पांच विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। यहां मरीजों को निःशुल्क कीमोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। पीएमसीएच के अधीक्षक राजीव कुमार सिंह के अनुसार, कैंसर मरीजों के उपचार के लिए पांच ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ तैनात किए गए हैं। इनमें दो ऑन्कोसर्जन, एक ऑन्कोगाइनी विशेषज्ञ और ऑन्को मेडिसिन से जुड़े चिकित्सक शामिल हैं। बेड की संख्या बढ़ने से प्रतिदिन 70 से 80 कैंसर मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों की सुविधा के लिए सीयूबी बिल्डिंग में अलग कैंसर वार्ड संचालित किया जा रहा है। उपचार व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए विशेष प्रोटोकॉल और एसओपी तैयार किए गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग के लिए आठ जीआर और पांच मेडिकल ऑफिसर भी तैनात किए गए हैं। इससे मरीजों को उपचार, दवाओं और अन्य चिकित्सकीय सेवाओं में सहूलियत मिलेगी। आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को भी योजना के तहत इलाज और दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़े।

साइबर अपराधियों से दो कदम आगे रहे पुलिस, तभी टूटेगा ऑनलाइन ठगी का नेटवर्क : कुंदन कृष्णन

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। अपराध की दुनिया अब सिर्फ गलियों और सड़कों तक सीमित नहीं रह गई है। मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। अपराधियों के बदलते तौर-तरीकों के बीच पुलिस को भी तकनीकी रूप से मजबूत होना होगा। साइबर अपराध पर प्रभावी लगाम लगाने के लिए पुलिसकर्मियों को डिजिटल जांच की बारीकियों में दक्ष बनाना जरूरी है। यह बातें बिहार पुलिस के डीजी (ऑपरेशन) कुंदन कृष्णन ने कहीं। वे महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की जांच में डिजिटल साक्ष्य जुटाने, तकनीकी विश्लेषण करने और अपराधियों के नेटवर्क को समझने की क्षमता बेहद अहम है। केवल पारंपरिक पुलिसिंग से ऐसे मामलों का प्रभावी खुलासा संभव नहीं है। कुंदन कृष्णन ने बिहार एसटीएफ की ओर से हाल में महादेव एप की तर्ज पर संचालित फ्रॉड गेमिंग नेटवर्क के खिलाफ की गई कार्रवाई का उदाहरण दिया। पटना समेत पांच राज्यों में हुई संयुक्त कार्रवाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को इस अभियान से सीख लेनी चाहिए। अंतरराज्यीय ऑपरेशन की कार्यप्रणाली, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और अपराधियों तक पहुंचने की रणनीति को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी निजी जानकारी और बैंकिंग विवरण का दुरुपयोग कर लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निशाना बनाना गंभीर चुनौती है। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ सख्त कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान साइबर अपराध की जांच, डिजिटल साक्ष्य संकलन, ऑनलाइन अपराध के तरीकों की पहचान और महिलाओं-बच्चों से जुड़े मामलों से निपटने के गुर सिखाए जाएंगे। डीजी ऑपरेशन ने पुलिसकर्मियों से प्रशिक्षण का गंभीरता से लाभ उठाकर इसे अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की अपील की, ताकि साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज, प्रभावी और साक्ष्य आधारित हो सके।

खर्च के हिसाब से नहीं, जनता को मिलने वाले परिणाम से तय होगी सरकारी काम की सफलता

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। सरकारी योजनाओं में करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिलना प्रशासनिक व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। अब सरकारी खर्च के साथ उसके परिणाम और प्रभाव का आकलन भी जरूरी होगा। इसी उद्देश्य से ऑडिट जागरूकता सप्ताह-2026 के अवसर पर पटना में संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें बजट, लेखा, पारदर्शिता और वित्तीय प्रबंधन को लेकर अधिकारियों ने मंथन किया। प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), बिहार कार्यालय तथा बिहार सरकार के वित्त विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका उद्घाटन वित्त विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार और प्रधान महालेखाकार संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पंकज पाल, कंवल तनुज, अभय कुमार सिंह और डॉ. चन्द्रशेखर सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रधान महालेखाकार ने व्यय-आधारित अनुपालन से परिणाम-आधारित प्रभाव की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया। उन्होंने सरकारी विभागों और महालेखाकार कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। वित्त विभाग के प्रधान सचिव ने बजट निर्माण से लेकर खर्च की दक्षता तक पारदर्शिता सुनिश्चित करने की बात कही। डिजिटल व्यवस्था के अनुरूप नियमों की समीक्षा पर भी चर्चा हुई। संगोष्ठी में सरकारी लेखों के संकलन, पेंशन भुगतान की कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था और विकास योजनाओं में लेखा प्रणाली की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

अब शिक्षक हाथों से भी पढ़ाएंगे बच्चों को, श्रवण बाधित विद्यार्थियों के लिए सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण शुरू

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। कक्षा में शिक्षक की आवाज हर बच्चे तक पहुंचे, यह जरूरी नहीं; लेकिन शिक्षा का अधिकार हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। श्रवण बाधित विद्यार्थियों की इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए राज्य में शिक्षकों को भारतीय सांकेतिक भाषा में दक्ष बनाने की पहल शुरू की गई है। इससे शिक्षक अब संकेतों के जरिए बच्चों से संवाद कर सकेंगे और उनकी शैक्षणिक जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में सोमवार से पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। समावेशी शिक्षा विभाग की पहल पर यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण 27 नवंबर तक चलेगा। इसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों से जुड़े उन स्कूलों के शिक्षकों को शामिल किया गया है, जहां श्रवण बाधित बच्चे पढ़ रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को भारतीय सांकेतिक भाषा का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा इस प्रशिक्षण से शिक्षक विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करने, उनकी बात समझने और पढ़ाई से जुड़ी कठिनाइयों को पहचानने में सक्षम होंगे। उद्घाटन सत्र में एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक राजदेव राम, उप निदेशक राजकुमार, विभागाध्यक्ष विजय कुमार भास्कर, व्याख्याता कुमारी अमृता और यूनिसेफ के शिक्षा अधिकारी बसंत सिन्हा उपस्थित रहे। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. सरिता शर्मा, आईएसएलआरटीसी के राकेश कुमार गंगवाल और सीआरसी पटना के प्रशिक्षक रोहित चंद सहित कई विशेषज्ञ भी प्रशिक्षण दे रहे हैं।

पटना से सोनपुर तक गंगा के ऊपर दौड़ेगी केबल कार, बिहार के 20 पर्यटन स्थलों पर रोपवे की तैयारी

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बिहार के पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान बनाने के लिए सरकार अब पहाड़ों से लेकर गंगा नदी तक रोपवे नेटवर्क विकसित करने की तैयारी में है। धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने के लिए राज्य के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रोपवे बनाने की योजना है। इसमें पटना से सोनपुर के बाबा हरिहरनाथ मंदिर तक गंगा के ऊपर करीब सात किलोमीटर लंबा केबल कार मार्ग भी प्रस्तावित है। पटना के जेपी गंगा पथ यानी मरीन ड्राइव क्षेत्र से सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर तक रोपवे निर्माण की योजना पीपीपी मॉडल पर तैयार की जा रही है। बिहार राज्य सड़क विकास निगम ने सात नवंबर को परियोजना की प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के लिए कंसल्टेंसी टेंडर जारी किया है। अध्ययन में संभावित मार्ग, तकनीकी व्यवहार्यता और अन्य पहलुओं का आकलन किया जाएगा। अभी इसकी लागत, स्टेशन और यात्री क्षमता तय नहीं हुई है। इसके अलावा गया की ब्रह्मयोनि, बोधगया की ढुंगेश्वरी, गया की प्रेतशिला, जहानाबाद की वाणावर पहाड़ी, रोहतासगढ़ किला और कैमूर के मां मुंडेश्वरी धाम में भी रोपवे परियोजनाओं की तैयारी है। गया-बोधगया की तीन परियोजनाओं के लिए 35.91 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ब्रह्मयोनि के लिए 8.67 करोड़, ढुंगेश्वरी के लिए 16.76 करोड़ और प्रेतशिला के लिए 10.48 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। मुंडेश्वरी रोपवे के लिए 1.3094 हेक्टेयर वन भूमि की केंद्रीय स्वीकृति भी मिल चुकी है।
योजनाएं धरातल पर उतरने पर पर्यटन और स्थानीय रोजगार को नई गति मिलने की उम्मीद है।



पांच दिन चलेगा बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र, 30 नवंबर से सदन में गूंजेंगे मुद्दे

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार की नई सरकार के गठन के बाद अब विधायी गतिविधियों का दौर शुरू होने जा रहा है। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगा। पांच दिनों के इस सत्र में सरकार वित्तीय कार्यों केसाथ विधायी प्रस्तावों पर चर्चा करेगी। विधानसभा सचिवालय की ओर से सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। सत्र के पहले दिन 30 नवंबर को सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होगी। यदि कोई नए सदस्य निर्वाचित हुए हैं, तो उन्हें सदन में शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी अनुपूरक व्यय विवरणी सदन के पटल पर रखी जाएगी। दिन के अंत में दिवंगत व्यक्तियों के प्रति शोक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया जा सकता है। 1 और 2 दिसंबर को सदन में राजकीय विधेयकों एवं अन्य सरकारी कार्यों को निपटाया जाएगा। वहीं, 3 दिसंबर को दूसरी अनुपूरक व्यय विवरणी पर चर्चा, मतदान और विनियोग विधेयक की प्रक्रिया पूरी होगी। सत्र के अंतिम दिन 4 दिसंबर को गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य एवं गैर-सरकारी संकल्प लिए जाएंगे। छोटे सत्र के बावजूद वित्तीय प्रस्तावों और विधायी कार्यों के लिहाज से इसकी अहमियत काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

20 साल के सुशासन की याद में आज बिहार में मनाया जाएगा सुशासन दिवस, स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने की अपील



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार में 24 नवंबर को सुशासन दिवस मनाया जाएगा। वर्ष 2005 में इसी दिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में नई सरकार बनी थी। सरकार के 20 वर्षों के कार्यकाल को याद करते हुए प्रदेशभर में सुशासन दिवस के आयोजन की तैयारी है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने इस अवसर पर बिहार के विकास और बदलाव को लेकर अपना संदेश जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 24 नवंबर 2005 को नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की सरकार स्थापित हुई थी। इसी उपलक्ष्य में सोमवार को पूरे बिहार में सुशासन दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार का कायाकल्प हुआ है। सामाजिक न्याय, कानून-व्यवस्था और आधारभूत संरचना के विकास के माध्यम से प्रदेश ने विकास के विभिन्न पैमानों पर सम्मानजनक स्थान हासिल किया है।

बिहार का गौरव बढ़ाने और आधुनिक बिहार के निर्माण में नीतीश कुमार के योगदान को इस अवसर पर याद किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने जनता से अपील करते हुए कहा कि लोग अपने नेता और पार्टी पर विश्वास बनाए रखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलेगी और सुशासन के साथ विकास का क्रम आगे भी जारी रहेगा।

बिहार में 1.50 करोड़ लोगों की एनीमिया जांच, 38 जिलों में चल रहा अभियान

खून की कमी दूर करना सरकार का संकल्प

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालने वाली एनीमिया यानी खून की कमी से निपटने के लिए बिहार में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के सभी 38 जिलों में संचालित 'एनीमिया मुक्त बिहार अभियान' के तहत अब तक 1.50 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने जागरूकता, समय पर जांच और उचित उपचार को इस बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

वाल्मीकिनगर में इंडियन आयुष मेडिकल एसोसिएशन की ओर से आयोजित 'एनीमिया मुक्त भारत' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वास्थ्य मंत्री शामिल हुए। उन्होंने चिकित्सकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और एसोसिएशन के सदस्यों के बीच अपने विचार साझा किए। मंत्री ने कहा कि एनीमिया महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके समग्र स्वास्थ्य एवं जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इस समस्या से समाज को मुक्त करने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 25 अगस्त से 30 नवंबर तक सभी 38 जिलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर जांच एवं जागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि लक्षित समूहों तक अभियान का लाभ पहुंचे।

निशांत कुमार ने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके समर्पण और सक्रिय सहभागिता से ही अभियान सफल होगा। उन्होंने स्वस्थ एवं सशक्त बिहार के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

नल-जल योजनाओं की डिजिटल निगरानी होगी तेज, हर योजना को मिलेगी RPWSS ID : प्रमाणीकरण पूरा करने की तैयारी

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। गांवों में नल से जल पहुंचाने वाली योजनाओं की निगरानी अब डिजिटल माध्यम से और प्रभावी बनाने की तैयारी है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने जलापूर्ति योजनाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, RPWSS ID निर्माण और 'हर घर नल का जल' प्रमाणीकरण में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया। इससे योजनाओं की स्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और पेयजल से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सहूलियत होगी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार की ओर से रविवार को RPWSS ID निर्माण एवं 'हर घर नल का जल प्रमाणीकरण' विषय पर एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभियंता प्रमुख सह विशेष सचिव (मुख्यालय) नित्यानंद प्रसाद ने की। इसमें संयुक्त निदेशक, जल जीवन मिशन डेविड कुमार चतुर्वेदी सहित विभागीय अधिकारी एवं प्रशिक्षक मौजूद रहे। प्रशिक्षण में राज्य के सभी प्रमंडलों से नामित एक-एक सहायक अभियंता को संबंधित पोर्टल के संचालन, RPWSS ID बनाने और नल-जल योजनाओं के प्रमाणीकरण की तकनीकी जानकारी दी गई। अधिकारियों को अपने-अपने प्रमंडल की ऐसी 10 जलापूर्ति योजनाओं का पूरा डेटा लाने का निर्देश दिया गया, जिनकी RPWSS ID अब तक नहीं बनी है। प्रशिक्षण के दौरान ही इन योजनाओं की आईडी तैयार करने की प्रक्रिया पूरी करने पर जोर दिया गया। विभाग का उद्देश्य योजनाओं की डिजिटल निगरानी मजबूत करना और प्रमाणीकरण का काम समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। इससे ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

डायबिटीज से कैंसर तक, गंभीर बीमारियों से बचाव में आयुर्वेद पर भी होगा जोर

294 आयुष्मान आरोग्य मंदिर विकसित हो रहे

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बदलती जीवनशैली और खान-पान की आदतों के बीच डायबिटीज, कैंसर, फैटी लिवर और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का बढ़ता प्रभाव स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। ऐसे में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ आयुर्वेद को भी बढ़ावा देने की तैयारी है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने आयुर्वेद को स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए इसके विस्तार पर जोर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए विभाग निरंतर प्रयास कर रहा है। आज खान-पान और जीवनशैली में बदलाव के कारण कई बीमारियां बढ़ रही हैं। ऐसे में उपचार के लिए एलोपैथी के साथ आयुर्वेद को भी प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिलहाल 294 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में काम हो रहा है। आयुर्वेदिक दवाओं को आवश्यक दवा सूची (ईडीएल) में शामिल किया जा रहा है। इसके साथ ही अच्छे विशेषज्ञ चिकित्सकों, जरूरी दवाओं और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना है।

स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, आयुर्वेद को बढ़ावा देने से लोगों को उपचार के अधिक विकल्प मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा व्यापक होगा।

पांच साल तक के बच्चों को जरूर पिलाएं पोलियो की दो बूंद, मानसी में बीडीओ ने किया अभियान का शुभारंभ

आइडियासिटी संवाददाता



खगड़िया। बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग का पल्स पोलियो अभियान शुरू हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को मानसी प्रखंड के बलहा बाजार चौक पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार ने एक शिशु को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने अभिभावकों से अभियान में सहयोग करने और पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को दवा पिलाने की अपील की। 22 नवंबर 2026 से शुरू हुए इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक दे रही हैं। इसके लिए प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। अभियान के निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने बलहा ग्राम पंचायत के बलहा चौक पर स्वास्थ्यकर्मियों के कार्यों का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस मौके पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार, बीसीएम सचिन कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई कर्मी मौजूद रहे।

आठ जोन में होगी कबड्डी के नए सितारों की तलाश, 28-29 नवंबर को मुजफ्फरपुर में राज्य स्तरीय मुकाबला

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव

पटना। छोटे मैदानों में पसीना बहा रहे खिलाड़ियों के लिए अब बड़ा मंच तैयार है। किसी की रेड विरोधियों के डिफेंस को तोड़ने का दम रखती है, तो किसी का डिफेंस विपक्षी रेडर को रोकने की ताकत। बिहार की कबड्डी को नई प्रतिभाएं देने के उद्देश्य से अब राज्यभर में खिलाड़ियों की खोज शुरू हो गई है। 24वीं बिहार राज्य सब-जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए आठ जोन में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, जहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुने जाएंगे। बिहार राज्य कबड्डी संघ एवं मुजफ्फरपुर जिला कबड्डी संघ के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 28 और 29 नवंबर को मुजफ्फरपुर के मोतीपुर स्थित मध्य विद्यालय कथैया के खेल प्रांगण में आयोजित होगी। इससे पहले सभी जोनल प्रतियोगिताएं 26 नवंबर तक पूरी कर खिलाड़ियों की सूची संघ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

पटना-नालंदा समेत चार जिले जोन ए में

जोन ए की जिम्मेदारी राणा रणजीत सिंह को दी गई है। इसमें पटना, लखीसराय, नालंदा और शेखपुरा शामिल हैं। जोन बी में भोजपुर, बक्सर, कैमूर और रोहतास होंगे, जिसकी जिम्मेदारी जयशंकर चौधरी संभालेंगे। जोन सी में गया, नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद और अरवल शामिल हैं। इसके प्रभारी आनंद शंकर तिवारी होंगे। जोन डी में बेगूसराय, समस्तीपुर, खगड़िया और दरभंगा की जिम्मेदारी श्याम नंदन सिंह उर्फ पन्नालाल को दी गई है। जोन ई में भागलपुर, कटिहार, मुंगेर, जमुई और बांका शामिल हैं, जिसके प्रभारी राजेश कुमार होंगे। जोन एफ में सारण, सिवान, गोपालगंज, वैशाली और मुजफ्फरपुर की जिम्मेदारी पंकज कुशवाह संभालेंगे। जोन जी में सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और मधुबनी शामिल हैं। इसके प्रभारी पंकज कुमार सिंह होंगे। वहीं, जोन एच में पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, किशनगंज और अररिया होंगे। इस जोन की जिम्मेदारी अरुण कुमार को सौंपी गई है।

13 दिसंबर 2010 या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी ले सकेंगे भाग

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की जन्मतिथि 13 दिसंबर 2010 या उसके बाद की होनी चाहिए। वजन अधिकतम 60 किलोग्राम निर्धारित किया गया है। खिलाड़ियों को आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

आठ जोन में होने वाले मुकाबलों से ग्रामीण और छोटे जिलों के खिलाड़ियों को भी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। जोनल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मुजफ्फरपुर में राज्य स्तरीय मुकाबलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे। सब-जूनियर प्रतियोगिता बिहार की कबड्डी को मजबूत आधार देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन मुकाबलों से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। अब नजर 26 नवंबर तक पूरी होने वाली जोनल प्रतियोगिताओं और उसके बाद मुजफ्फरपुर में होने वाले मुकाबलों पर होगी, जहां बिहार की कबड्डी के नए सितारों की चमक देखने को मिल सकती है।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर पटना में सुरक्षा का पहरा, घाटों पर बैरिकेडिंग

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ और गोताखोर तैनात

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पटना जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था का व्यापक इंतजाम किया है। मंगलवार, 24 नवंबर को गंगा के विभिन्न घाटों पर होने वाले स्नान को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। घाटों पर बैरिकेडिंग से लेकर मेडिकल टीम, पुलिस बल, गोताखोर और नदी गश्ती दल की तैनाती की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर सभी संबंधित विभागों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रमुख घाटों पर निर्धारित गहराई तक बैरिकेडिंग की गई है, जबकि खतरनाक एवं अनुपयुक्त घाटों को चिह्नित कर वहां बांस-बल्ले पर लाल झंडे लगाए गए हैं। नगर निगम की ओर से घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

गंगा में अवैध नाव परिचालन पर रोक

नदी में मोटर बोट और नावों के अवैध परिचालन पर रोक लगाई गई है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, नदी गश्ती दल और गोताखोरों को अलर्ट रखा गया है। प्रमुख घाटों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए अस्थायी नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए हैं।

घाटों पर एंबुलेंस और मेडिकल टीम

प्रमुख घाटों पर एंबुलेंस के साथ मेडिकल एवं पैरामेडिकल टीम तैनात रहेगी। पीएमसीएच, एनएमसीएच, गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल समेत प्रमुख अस्पतालों में 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यातायात के लिए निर्धारित मार्गों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। डीएम कुंदन कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने अधिकारियों को ड्यूटी स्थल पर समय से पहुंचकर सतर्क रहने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से बैरिकेडिंग पार नहीं करने, खतरनाक घाटों पर स्नान से बचने और सुरक्षाकर्मियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

एक लाख की इनामी महिला नक्सली विनीता भारती गिरफ्तार

पांच मामलों में थी फरार, कई नामों से बदलती रही पहचान



आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। बिहार में नक्सली गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। बेगूसराय पुलिस की डीआइयू और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने एक लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली विनीता भारती को गिरफ्तार किया है। वह लंबे समय से फरार चल रही थी और पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार अपनी पहचान बदलती रही थी। गिरफ्तारी बरौनी थाना क्षेत्र के बथौली गांव से की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान विनीता भारती उर्फ श्वेता उर्फ अनीता उर्फ प्रतिमा उर्फ कल्पना के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दरभंगा जिले के बहेरी थाना क्षेत्र स्थित लालपुर शिवराम गांव की रहने वाली है। उसे नक्सली अमर लाल देव उर्फ नकुल की पत्नी बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, उसके खिलाफ पांच गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लगातार फरार रहने के कारण अभियान शाखा ने 4 मई 2026 को उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

गुप्त सूचना पर हुई गिरफ्तारी

कई नामों से पहचान छिपाकर रह रही विनीता की तलाश सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से कर रही थीं। बथौली गांव में उसकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद डीआइयू और एसटीएफ की टीम ने गोपनीय तरीके से घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया।

नेटवर्क और मददगारों की तलाश

गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उसके पुराने नक्सली संपर्कों, संभावित सहयोगियों और फरारी के दौरान ठिकाना देने वालों की जानकारी जुटा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि वह बरौनी इलाके में किस उद्देश्य से रह रही थी और क्या किसी पुराने नक्सली नेटवर्क को सक्रिय करने की कोशिश में थी। पूछताछ में उसके संपर्कों और गतिविधियों से जुड़े अहम खुलासे होने की संभावना है।

पिढौली हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पहुंची 15 सदस्यीय केंद्रीय टीम

आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय। गांवों में लोगों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए केंद्र सरकार की 15 सदस्यीय टीम ने तेघड़ा प्रखंड के पिढौली हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। टीम ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी, कुष्ठ रोग, दवा वितरण और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की बारीकी से समीक्षा की। इसके साथ ही विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति भी परखी। निरीक्षण टीम में डॉ. सचिन, डॉ. बीके मिश्रा और डॉ. प्रसन्ना समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पल्लवी कुमारी से विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। विशेष चेकलिस्ट के आधार पर अभिलेखों और ऑन रिकॉर्ड एवं ऑफ रिकॉर्ड आंकड़ों की जांच की गई। गर्भवती महिलाओं की जांच, टीबी और कुष्ठ रोगियों की संख्या, उपचार, दवाओं की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और पोषण वाटिका का भी जायजा लिया गया। इसके बाद टीम उत्क्रमित मध्य विद्यालय पिढौली पहुंची। प्रधानाध्यापक मोहम्मद खालिद अंसारी से विद्यार्थियों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और दवाओं की जानकारी ली।

आंगनबाड़ी केंद्र में भी योजनाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के बाद टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए उनकी गुणवत्ता और गति बढ़ाने पर जोर दिया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामकृष्ण सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

गांधीजी की 'नई तालीम' पर शिक्षकों की कमी का ग्रहण, 225 बच्चों की पढ़ाई महज तीन शिक्षकों के भरोसे

आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय। जिस बुनियादी शिक्षा व्यवस्था का सपना महात्मा गांधी ने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ हुनरमंद और आत्मनिर्भर बनाने के लिए देखा था, आज वही व्यवस्था शिक्षकों की कमी और संसाधनों के समुचित उपयोग के अभाव में अपनी पहचान खोती जा रही है। तेघड़ा प्रखंड का राजकीय बुनियादी विद्यालय बजलपुरा इसकी तस्वीर पेश कर रहा है। यहां 225 विद्यार्थियों की पढ़ाई महज तीन शिक्षकों के भरोसे चल रही है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि छठी से आठवीं कक्षा तक एक भी नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं है। गांधीजी की नई तालीम के तहत वर्ष 1938 में शुरू हुई बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में पढ़ाई के साथ चरखा, सूत कताई, बढ़ईगिरी, खेती-बाड़ी, बागवानी, हस्तकरघा और कुटीर उद्योगों का प्रशिक्षण दिया जाता था। उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ रोजगारपरक हुनर और स्वावलंबन की सीख देना था। लेकिन समय के साथ प्रशिक्षित शिक्षकों और संसाधनों की कमी ने इस अवधारणा को कमजोर कर दिया।

तीन शिक्षकों पर 225 बच्चों की जिम्मेदारी

बजलपुरा विद्यालय में पहली से पांचवीं तक 120 और छठी से आठवीं तक 105 विद्यार्थी नामांकित हैं। पुराने शिक्षकों की सेवानिवृत्ति और प्रोन्नति के कारण शिक्षकों की संख्या लगातार घटती गई। विद्यालय के अंतिम शिक्षक शशिभूषण सिंह 31 जनवरी 2026 को प्रभारी प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद पहली से पांचवीं के शिक्षक गुड्डू कुमार को प्रभारी प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी दी गई। वर्तमान में केवल तीन शिक्षक कार्यरत हैं। 21 अक्टूबर 2026 को पांच शिक्षकों का प्रतिनियोजन किया गया, लेकिन इसके बावजूद छठी से आठवीं तक के लिए कोई नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं है। प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षक ही उच्च प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को भी पढ़ा रहे हैं। पहली और दूसरी कक्षा का संचालन भी संयुक्त रूप से करना पड़ता है।

भवन और सुविधाएं मौजूद, लेकिन पढ़ाने वाले कम

विद्यालय में आठ वर्ग कक्ष, कार्यालय, पुस्तकालय और सभागार है। चार शौचालय, तीन चापाकल और एक समरसेबल भी उपलब्ध है। आधारभूत संरचना होने के बावजूद शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

कौशल शिक्षा से फिर जिंदा हो सकती है नई तालीम

ग्रामीण परिवेश में खेती, बागवानी, हस्तकला और स्थानीय कुटीर उद्योगों से जुड़ा प्रशिक्षण बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार हो सकता है। इसके लिए पर्याप्त शिक्षकों, प्रशिक्षित कारीगरों और कौशल आधारित पाठ्यक्रम की जरूरत है। सवाल यह है कि जब शिक्षा व्यवस्था में कौशल और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जा रहा है, तो गांधीजी की नई तालीम पर आधारित विद्यालयों को उनकी मूल पहचान वापस दिलाने की पहल कब होगी?

एचपीवी टीकाकरण में बिहार ने हासिल किया 100% लक्ष्य, देश में दूसरे स्थान पर पहुंचा राज्य

13.67 लाख से अधिक किशोरियों को लगा टीका, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष की बेटियों को मिल रही मुफ्त सुविधा

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा देने के अभियान में बिहार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत राज्य ने निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत कवरेज पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ बिहार देश के उन छह राज्यों में शामिल हो गया है, जिन्होंने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। वहीं, टीकाकरण की कुल संख्या के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, बिहार में 13.67 लाख से अधिक किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। यू-विन पोर्टल की 19 नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, 13,62,000 के लक्ष्य के मुकाबले 13,67,050 टीकाकरण दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने इस उपलब्धि को गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, एएनएम, आशा और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत 14 वर्ष की पात्र किशोरियों को अभिभावकों की सहमति से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त टीका लगाया जा रहा है। पंजीकरण और डिजिटल प्रमाणपत्र की सुविधा यू-विन पोर्टल पर उपलब्ध है।

राजगीर में सजेगा विश्व हॉकी का मुकाबला, फरवरी में भारत-जर्मनी-अर्जेंटीना के बीच होगी जंग

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना । बिहार में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की कहानी अब एक नए मुकाम की तरफ बढ़ रही है। जिस प्रदेश में कभी हॉकी की पहचान सीमित संसाधनों और चुनिंदा मैदानों तक सिमटी हुई थी, आज उसी बिहार की धरती पर दुनिया की शीर्ष हॉकी टीमें अपनी ताकत दिखाने उतरेंगी। फरवरी 2027 में राजगीर का अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों का गवाह बनेगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सामने जर्मनी और अर्जेंटीना जैसी विश्वस्तरीय टीमों की चुनौती होगी। यह महज छह अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन नहीं, बल्कि बिहार की खेल यात्रा में जुड़ने वाला एक महत्वपूर्ण अध्याय है। एफआईएच के आधिकारिक कार्यक्रम के मुताबिक, राजगीर में 13 से 18 फरवरी 2027 तक छह मुकाबले खेले जाएंगे। भारत, जर्मनी और अर्जेंटीना की टीमें इस चरण में हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम 13 फरवरी को जर्मनी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। 14 फरवरी को अर्जेंटीना और जर्मनी, 15 फरवरी को भारत और अर्जेंटीना, 16 फरवरी को भारत और जर्मनी, 17 फरवरी को जर्मनी और अर्जेंटीना तथा 18 फरवरी को भारत और अर्जेंटीना के बीच मुकाबला होगा। यानी छह दिनों में भारतीय टीम चार बार मैदान पर उतरेगी। इन मुकाबलों की अहमियत इसलिए भी खास है, क्योंकि जर्मनी और अर्जेंटीना विश्व हॉकी की बेहद मजबूत टीमें हैं। जर्मनी का ओलंपिक और विश्व कप में शानदार इतिहास रहा है, जबकि अर्जेंटीना अपनी आक्रामक शैली और तकनीकी दक्षता के लिए पहचाना जाता है। दूसरी तरफ भारतीय हॉकी की गौरवशाली विरासत और आधुनिक दौर की महत्वाकांक्षाएं हैं। ऐसे में राजगीर के दर्शकों को विश्वस्तरीय हॉकी का रोमांच देखने को मिलेगा। राजगीर के लिए यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली है। नवंबर 2024 में यहां महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हुआ था, जिसमें भारतीय महिला टीम ने खिताब जीता। इसके बाद सितंबर 2025 में पुरुष एशिया कप की मेजबानी भी राजगीर ने की। इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर खिताब अपने नाम किया। इन दोनों आयोजनों ने राजगीर को अंतरराष्ट्रीय हॉकी के मानचित्र पर स्थापित किया और अब एफआईएच प्रो लीग उसी पहचान को आगे बढ़ाने जा रही है। इस आयोजन के साथ पटना में भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी की संभावनाओं को लेकर चर्चा रही है। राजेंद्र नगर स्थित बीपी सिन्हा फिजिकल कॉलेज परिसर में लगभग 8.44 करोड़ रुपये की लागत से एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान विकसित किया जा रहा है। शुरुआती स्तर पर इसे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के संभावित केंद्र के रूप में देखा गया था। लेकिन एफआईएच के घोषित कार्यक्रम में फरवरी के बिहार चरण के सभी छह मुकाबले राजगीर को मिले हैं। इसलिए पटना में मैच होने की शुरुआती संभावनाओं और अंतिम कार्यक्रम के बीच अंतर समझना जरूरी है। राजगीर के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी परिसर और आयोजन का अनुभव मौजूद है। इसके बावजूद प्रो लीग जैसे बड़े टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के ठहरने, परिवहन, सुरक्षा, चिकित्सा, अभ्यास और दर्शकों की सुविधाओं तक हर व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरना होगा। बिहार के खेल प्रशासन के सामने इस बार आयोजन की सफलता के साथ अपनी व्यवस्थागत क्षमता साबित करने की भी चुनौती होगी। लेकिन इस आयोजन की असली सफलता सिर्फ विदेशी टीमों की मौजूदगी या अंतरराष्ट्रीय प्रसारण से नहीं मापी जानी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि राजगीर में होने वाले मुकाबलों का लाभ बिहार के स्थानीय खिलाड़ियों तक पहुंचे।

स्कूलों और जिलों में हॉकी को बढ़ावा मिले, प्रशिक्षकों को बेहतर अवसर मिलें और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का रास्ता मिले। आखिरकार बड़े आयोजन तभी सार्थक होते हैं, जब वे अपने पीछे खेल के विकास की मजबूत विरासत छोड़ते हैं। फरवरी में राजगीर के मैदान पर भारत, जर्मनी और अर्जेंटीना की टीमें उतरेंगी। छह दिनों तक विश्व हॉकी का रोमांच बिहार के खेल प्रेमियों के सामने होगा। यह बिहार के लिए गर्व का अवसर है, लेकिन इससे भी बड़ी उम्मीद यह है कि इस आयोजन के बाद राज्य की हॉकी को नई पहचान, नई प्रतिभाएं और नई दिशा मिले। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुकाबले कुछ दिनों में समाप्त हो जाएंगे, मगर राजगीर से बिहार की हॉकी के लिए शुरू होने वाली नई संभावनाओं का सफर लंबा होना चाहिए।

कोसी पार करने के दौरान नाव से नदी में गिरे 70 वर्षीय बुजुर्ग, डूबने से मौत : परिवार में मचा कोहराम

आइडियासिटी संवाददाता



खगड़िया। कोसी नदी पार करना एक बुजुर्ग के लिए जानलेवा साबित हुआ। सोमवार को मानसी थाना क्षेत्र के बलकुंडा घाट पर नाव से गिरकर 70 वर्षीय वृद्ध की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि मृतक के परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पहचान स्व. उचित सिंह के पुत्र विंदेश्वरी सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वे नाव पर सवार होकर नदी पार कर बंगलिया जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नाव से सीधे कोसी नदी में गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें नदी से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर मानसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, खगड़िया भेज दिया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने डूबने से मौत की पुष्टि की। वहीं, चौथम के सीओ रवि राज ने भी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शव की पहचान कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अपराधियों की पहचान से निर्दोषों को न्याय तक, बिहार में फॉरेंसिक जांच व्यवस्था होगी मजबूत

पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर में प्रयोगशालाएं कार्यरत

चार नए केंद्रों को शुरू करने की तैयारी, साइबर फॉरेंसिक की दो इकाइयां भी होंगी स्थापित

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। अपराध की बदलती दुनिया में अब केवल गवाहों के बयान और पारंपरिक पुलिस जांच से सच्चाई तक पहुंचना आसान नहीं है। हत्या, दुष्कर्म, गोलीबारी से लेकर साइबर ठगी और फर्जी दस्तावेजों तक, अपराधों के खुलासे में वैज्ञानिक साक्ष्य निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इसी जरूरत को देखते हुए बिहार में विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने की पहल की जा रही है। राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला पटना के अलावा मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर में क्षेत्रीय प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। वहीं पूर्णिया, रोहतास, बेतिया, गयाजी, सहरसा, सारण, मुंगेर, बेगूसराय और दरभंगा में नए केंद्रों के निर्माण को मंजूरी मिली है। इनमें कई भवन हस्तांतरित हो चुके हैं। पूर्णिया, मुंगेर, गयाजी और सारण में काम शुरू कराने के लिए निदेशकों की पदस्थापना की गई है। पूर्णिया में उपकरणों की खरीद भी हो चुकी है।

साइबर अपराधों की जांच के लिए पटना और राजगीर एफएसएल में एक-एक साइबर फॉरेंसिक इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की सेवाएं लेने पर विचार किया जा रहा है।

प्रयोगशालाओं में डीएनए, फिंगरप्रिंट, हथियार, गोली, विस्फोटक, जहरीले और मादक पदार्थों के साथ मोबाइल, कंप्यूटर व डिजिटल साक्ष्यों की जांच होती है। जाली नोट, हस्ताक्षर और दस्तावेजों की भी वैज्ञानिक पड़ताल की जाती है। सरकार का दावा है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर जांच में तेजी आई है और गृह विभाग के प्रधान सचिव इसकी नियमित समीक्षा कर रहे हैं। पटना के पुनपुन में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और केंद्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना की दिशा में भी पहल जारी है।

बिहार ललित कला अकादमी में वॉश पेंटिंग की बारीकियां सीखेंगे 30 छात्र-छात्राएं

दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू, 2 दिसंबर तक चलेगा अभ्यास

समापन पर प्रदर्शित होंगी प्रशिक्षुओं की तैयार कलाकृतियां

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। रंगों की पारदर्शिता, कोमलता और धुलाई की खास तकनीक से चित्रों में गहराई और आध्यात्मिक अनुभूति पैदा करने वाली वॉश पेंटिंग कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल शुरू हुई है। कला एवं संस्कृति विभाग और बिहार ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अकादमी परिसर में दस दिवसीय वॉश पेंटिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विभाग की अपर सचिव रूबी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया।

इस मौके पर विभाग के निदेशक, पुरातत्व कृष्ण कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य प्रशिक्षक वरिष्ठ कलाकार आनंदी प्रसाद बादल और सहायक प्रशिक्षक मनोज कुमार साहनी को पौधा और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में 30 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलने वाली यह कार्यशाला 2 दिसंबर तक आयोजित होगी। समापन के बाद प्रशिक्षुओं की बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मुख्य प्रशिक्षक आनंदी प्रसाद बादल ने बताया कि वॉश पेंटिंग की शुरुआत चीन में हुई और जापान के रास्ते भारत पहुंची। इसकी खासियत पारदर्शी रंगों और बार-बार धुलाई की प्रक्रिया से चित्रों में गहराई व धुंधलापन पैदा करना है। कार्यक्रम में कई कलाकार और कला प्रेमी मौजूद रहे। मंच संचालन सोमा चक्रवर्ती ने किया।

'बिहार की बेटी सुमन पटेल का सिनेमा में दमदार सफर, एनएसडी से ओटीटी तक बनाई अलग पहचान

'Echoes of the Absent' के जरिए बिहार के गांव की कहानी को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल तक पहुंचाने की तैयारी



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार से निकलकर देश की मनोरंजन दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सुमन पटेल का सफर रंगमंच से शुरू होकर फिल्मों और OTT तक पहुंचा है। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (NSD), नई दिल्ली से प्रशिक्षित सुमन ने अभिनय की बारीकियां सीखने के बाद हिंदी सिनेमा और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा



दिखाई। श्रीदेवी अभिनीत फिल्म 'मॉम', 'अनारकली ऑफ आरा', 'जोगीरा सारा रा रा' और नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ चुकीं सुमन अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी अपनी सक्रियता बढ़ा रही हैं। खास बात यह है कि उनकी आगामी शॉर्ट फिल्म 'Echoes of the Absent' की कहानी बिहार के एक गांव पर आधारित है और इसकी शूटिंग भी बिहार में हुई है।

एनएसडी से शुरू हुई अभिनय की मजबूत तैयारी

सुमन पटेल के अभिनय करियर की बुनियाद रंगमंच में तैयार हुई। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने अभिनय, संवाद अदायगी, शारीरिक भाषा, आवाज और किरदारों की भावनात्मक अभिव्यक्ति की बारीकियां सीखीं। थिएटर से मिले इसी अनुभव ने उन्हें फिल्मों और टेलीविजन की दुनिया में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने का आत्मविश्वास दिया। वर्ष 2017 में श्रीदेवी अभिनीत फिल्म 'मॉम' में मिसेज पांडेय की भूमिका निभाकर उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इसी साल वह 'अनारकली ऑफ आरा' में भी नजर आईं। इसके बाद 2018 में 'टू लव प्यार के पंछी' में काम किया। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर फिल्मों से आगे बढ़कर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंचा।

'दिल्ली क्राइम' और 'अक्का' से ओटीटी पर भी पहचान

सुमन पटेल ने नेटफ्लिक्स की चर्चित क्राइम ड्रामा सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में शबनम का किरदार निभाया। इसके तीसरे सीजन में भी उनकी मौजूदगी रही। वहीं, 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' में उन्होंने सरिता की भूमिका निभाई। उनकी फिल्मोग्राफी में 'सरपंच साहब' (2025) का नाम भी शामिल है।

हालिया प्रोजेक्ट 'अक्का' में वह युवा सुब्बम्मा के किरदार में नजर आई हैं। कीर्ति सुरेश जैसे कलाकारों से सजी इस सीरीज के साथ उनका

बिहार के गांव की कहानी को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की कोशिश

सुमन पटेल के करियर का एक दिलचस्प पहलू उनका बिहार से जुड़ाव है। अभिनय के साथ अब वह फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हो रही हैं। उनकी आने वाली शॉर्ट फिल्म 'Echoes of the Absent' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। बिहार के एक गांव की कहानी पर आधारित इस फिल्म की शूटिंग भी बिहार में की गई है। इस फिल्म के जरिए स्थानीय परिवेश, गांव की पृष्ठभूमि और उससे जुड़ी संवेदनाओं को सिनेमा के माध्यम से सामने लाने की कोशिश की गई है। फिल्म को अब दुनिया के अलग-अलग फिल्म फेस्टिवल में भेजा जा रहा है। इस लिहाज से यह प्रोजेक्ट सुमन के लिए महज एक नई फिल्म नहीं, बल्कि अपनी जड़ों और बिहार की कहानी से जुड़ने का रचनात्मक माध्यम भी है। अभिनेत्री के तौर पर कैमरे के सामने काम करने के बाद निर्माता के रूप में फिल्म निर्माण की प्रक्रिया से जुड़ना उनके करियर को नया विस्तार दे रहा है। कहानी और पटकथा से लेकर प्रोडक्शन के दूसरे रचनात्मक पहलुओं तक उनकी भागीदारी उन्हें सिनेमा को एक नए नजरिये से समझने का अवसर दे रही है।

अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने की कोशिश

सुमन पटेल का सफर उन कलाकारों की कहानी है, जिन्होंने रंगमंच की ट्रेनिंग को अपनी ताकत बनाया और सिनेमा के बदलते माध्यमों के साथ खुद को आगे बढ़ाया। 'मॉम' से लेकर 'दिल्ली क्राइम 3' और 'अक्का' तक का उनका सफर अभिनय के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता को दिखाता है। वहीं, बिहार में शूट हुई 'Echoes of the Absent' के जरिए वह अपनी जड़ों से जुड़ी कहानी को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं। अभिनय से फिल्म निर्माण तक बढ़ते उनके कदम यह बताते हैं कि उनकी रचनात्मक यात्रा अभी कई नए पड़ाव तय करने वाली है।

जुड़ाव अभिनय के सफर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। अलग-अलग माध्यमों और पृष्ठभूमि के किरदारों के जरिए सुमन लगातार अपने अभिनय का दायरा बढ़ा रही हैं।

गांवों के विकास की कमान संभाल रहीं महिलाएं, वीबी-जी राम जी योजना में 58% भागीदारी

2.90 करोड़ श्रम दिवसों में महिलाओं ने सृजित किए 1.68 करोड़ से अधिक श्रम दिवस

गांव में ही रोजगार मिलने से पलायन पर लग रही लगाम

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। अब गांवों की महिलाएं सिर्फ घर की जिम्मेदारियां ही नहीं संभाल रहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की तस्वीर बदलने में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत बिहार में महिलाओं की भागीदारी 58 प्रतिशत तक पहुंच गई है। राज्य में अब तक सृजित 2 करोड़ 90 लाख 89 हजार श्रम दिवसों में महिलाओं की हिस्सेदारी 1 करोड़ 68 लाख 71 हजार से अधिक है। यह आंकड़ा ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता की तस्वीर पेश करता है। ग्रामीण विकास विभाग के अनुसार, एक जुलाई 2026 से लागू इस योजना में अकुशल कामगारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जा रही है। मांग के आधार पर समयबद्ध रोजगार और काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। कृषि मौसम में श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए 60 दिनों के कार्य विराम का नियम भी लागू है। बिहार में 2.25 करोड़ परिवार जॉब कार्ड के तहत पंजीकृत हैं। ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि योजना से महिलाओं को अपने गांव में ही सम्मानजनक काम और मजदूरी मिल रही है। इससे पलायन कम करने के साथ मजदूर परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। जल संरक्षण, तालाबों के निर्माण और जीर्णोद्धार सहित सामुदायिक परिसंपत्तियों के विकास में महिलाओं की मेहनत महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि 58 प्रतिशत भागीदारी बताती है कि महिलाएं अब गांव के विकास की प्रमुख वाहक बन चुकी हैं।

बख्तियारपुर के पनीर कारखाने पर छापा, 214 किलो घी जब्त

130 लीटर फॉर्मेलिन समेत 1,395 किलो सामग्री नष्ट

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। लोगों की थाली तक पहुंचने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। पटना जिले के बख्तियारपुर में बाढ़ रोड स्थित एक पनीर कारखाने की जांच के दौरान खाद्य संरक्षा विभाग की टीम ने 214 किलोग्राम घी जब्त किया। वहीं, मौके पर मिले 130 लीटर फॉर्मेलिन के साथ 635 किलो क्रीम, 360 किलो पनीर और 400 किलो दूध को नष्ट कराया गया। जब्त और नष्ट की गई सामग्री की कुल कीमत 4 लाख 73 हजार 900 रुपये आंकी गई है। स्वास्थ्य विभाग की खाद्य संरक्षा इकाई ने सोमवार को यह कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान कारखाने में वैध एफएसएसएआई लाइसेंस और कीट नियंत्रण प्रमाणपत्र नहीं मिले। परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब पाई गई। फर्श पर गंदा पानी जमा था। टीम ने जांच के लिए पनीर, दूध, घी और क्रीम के चार नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। विभाग ने प्रतिष्ठान को निर्देश दिया है कि खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत वैध लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त होने के बाद ही निर्माण और बिक्री शुरू की जाए। विभाग के अनुसार, आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए ऐसे प्रतिष्ठानों की नियमित जांच जारी रहेगी।

केंद्रीय सीआरएम टीम ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य व्यवस्था की परखी हकीकत

मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

28 नवंबर तक जिले के विभिन्न अस्पतालों का करेगी निरीक्षण



28 नवंबर तक जिले के अस्पतालों का करेगी निरीक्षण

सीआरएम की केंद्रीय टीम 28 नवंबर तक नालंदा जिले के विभिन्न अस्पतालों का दौरा करेगी। इस दौरान टीम अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों में पहुंचकर इलाज की व्यवस्था, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत की जानकारी हासिल करेगी। इसके आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का आकलन किया जाएगा।

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की केंद्रीय टीम ने रविवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और विभागों में जाकर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। टीम ने इलाज, साफ-सफाई, दवा वितरण, जांच और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। केंद्रीय टीम में टीम लीडर निखिल सर के साथ डॉ. बालाजी पोतभारे, डॉ. विशाल कुमार, डॉ. स्वरूप, डॉ. उमेश रामदुर्ग, डॉ. प्रियंका, पल्लवी बहेरा, डॉ. खुशबू कुमारी और ताहमी नसीम शामिल थे। वहीं, राज्य स्तर से डॉ. एनके गुप्ता, मसूद आलम, बिमलेश कुमार सिन्हा, प्रमोद कुमार, श्याम आनंद और आकाश सिंह भी टीम के साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता तथा अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की वास्तविक स्थिति को समझने का प्रयास किया। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और व्यवस्था में सुधार की जरूरतों की भी जानकारी ली। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह, डीपीएम श्याम कुमार निर्मल और अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन मौजूद थे। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि केंद्रीय टीम को अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया। निरीक्षण का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का आकलन करना और कमियों को दूर कर मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पंचाने नदी में हजारों श्रद्धालु लगाएंगे आस्था की डुबकी

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी है पंचाने नदी की पौराणिक मान्यता

एक माह तक लगता है ऐतिहासिक मेला

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। प्रखंड स्थित गिरियक पहाड़ी की तलहटी में बहने वाली पंचाने नदी धर्म, कर्म और ऐतिहासिक परंपराओं की साक्षी रही है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को इस पवित्र नदी में हजारों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। स्नान के बाद श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करेंगे और मेले का आनंद उठाएंगे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गिरियक की पंचाने नदी में कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान करने की परंपरा सदियों पुरानी है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण, भीमसेन और अर्जुन ब्राह्मण का वेश धारण कर गिरिव्रज पहुंचे थे और जरासंध से मल्लयुद्ध की भिक्षा मांगी थी। मल्लयुद्ध में भीमसेन ने जरासंध का वध किया था। बताया जाता है कि जरासंध ने 28 हजार राजाओं को युद्ध में पराजित कर बंदी बना रखा था। भगवान श्रीकृष्ण ने उन सभी राजाओं को बंदीगृह से मुक्त कराया और कार्तिक पूर्णिमा के दिन गिरियक स्थित पंचाने नदी के तट पर सभी को स्नान कराया था।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन सभी राजाओं ने भगवान श्रीकृष्ण का अर्धचक्रनारायण के रूप में अभिषेक किया था। भगवान श्रीकृष्ण के चरणचिह्न आज भी गिरियक पहाड़ी पर मौजूद हैं। कहा जाता है कि पंचाने नदी के जिस स्थान पर राजाओं ने स्नान किया था, वहां भगवान श्रीकृष्ण ने प्रसन्न होकर उन्हें बैकुंठ धाम का वरदान दिया था। यह स्थान पहाड़ी पर स्थित चरणचिह्न के सामने नदी में पड़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रीमद्भागवत के द्वितीय स्कंध के 23वें अध्याय के श्लोक 73 में भी इसका प्रमाण मिलता है। पंचाने नदी का जल शीतल और मोक्षदायिनी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस नदी में स्नान करने से पापों का नाश होता है। खास बात यह है कि यहां आज भी गर्म जल की धारा प्रवाहित होती है। इतना ही नहीं, गिरियक पहाड़ी पर चूल ऋषि का आश्रम भी ऋषि आश्रम के नाम से मौजूद है। चीनी यात्री फाहियान ने अपने यात्रा वृत्तांत में गिरियक पहाड़ी स्थित इसी ऋषि आश्रम की गुफा का उल्लेख किया है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन इस पवित्र स्थल पर स्नान और पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी धार्मिक आस्था के कारण अहले सुबह से ही हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचने लगते हैं। इस अवसर पर यहां एक माह तक चलने वाले मेले का भी आयोजन किया जाता है। मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले लोग काष्ठ कला से निर्मित वस्तुओं और कृषि कार्य में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की जमकर खरीदारी करते हैं। मेले में धार्मिक आस्था के साथ-साथ ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं की भी झलक देखने को मिलती है।

जरासंध की धरती पर आज भी जीवित है सदियों पुरानी परंपरा

पंचाने नदी में आस्था की डुबकी के साथ शुरू होता है एक माह का मेला

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। महाभारत काल की गाथाओं से जुड़ी मगध की धरती पर गिरियक का कार्तिक मेला आज भी इतिहास, आस्था और ग्रामीण संस्कृति की अनूठी पहचान बना हुआ है। कार्तिक पूर्णिमा पर पंचाने नदी में आस्था की डुबकी के साथ शुरू होने वाला यह मेला करीब एक महीने तक गुलजार रहता है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण, भीम और अर्जुन जब जरासंध का वध करने के लिए राजगृह पहुंचे थे, तब उनका इस क्षेत्र से होकर गुजरना हुआ था। इसी लोकमान्यता को पंचाने नदी में कार्तिक स्नान की सदियों पुरानी परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। प्राचीन मगध की राजधानी राजगृह (वर्तमान राजगीर) के शक्तिशाली राजा जरासंध का प्रसंग महाभारत में मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण की रणनीति से भीम ने द्वंद्व युद्ध में जरासंध का वध किया था। स्थानीय जनश्रुति में भगवान श्रीकृष्ण, भीम और अर्जुन के मगध आगमन को गिरियक और पंचाने नदी से भी जोड़ा जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पंचाने नदी में स्नान और पूजा-अर्चना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। गिरियक की इस परंपरा की प्राचीनता का उल्लेख ब्रिटिश सर्वेक्षक फ्रांसिस बुकानन के 1811-12 के यात्रा विवरण में भी मिलता है। उनके सर्वेक्षण में गिरियक की पहाड़ी, जरासंध से जुड़ी स्थानीय मान्यताओं और कार्तिक महीने में पंचाने नदी पर होने वाले स्नान का उल्लेख दर्ज है। इससे स्पष्ट होता है कि यह परंपरा कम से कम दो सौ वर्षों से इस क्षेत्र के लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। गिरियक का कार्तिक मेला धार्मिक आयोजन के साथ-साथ ग्रामीण संस्कृति और कारोबार का भी बड़ा केंद्र है। यहां लकड़ी के पलंग, चौकी, मेज, कुर्सी, कृषि उपकरण, खुरपी और हंसुआ सहित रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की दुकानें सजती हैं। लाठी की खरीदारी आज भी मेले की खास पहचान बनी हुई है। मेले का सबसे बड़ा आकर्षण कुश्ती का अखाड़ा होता है, जहां नालंदा, नवादा सहित आसपास के जिलों के पहलवान अपनी ताकत और दांव-पेच दिखाने पहुंचते हैं। वहीं, बच्चों के झूले, खिलौनों और खान-पान की दुकानें मेले को पारिवारिक उत्सव का रूप देती हैं। पंचाने नदी में स्नान के बाद श्रद्धालु गिरियक पहाड़ी स्थित रिखिया माता मंदिर और विष्णुपद मंदिर में दर्शन-पूजन करते हैं। स्थानीय मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। करीब एक महीने तक चलने वाला यह मेला छोटे दुकानदारों, कारीगरों और स्थानीय कारोबारियों के लिए भी कमाई का बड़ा अवसर बनता है। आधुनिक बाजार और बदलती जीवनशैली के बीच भी गिरियक के कार्तिक मेले ने अपनी पारंपरिक पहचान को बरकरार रखा है। पंचाने नदी में आस्था की डुबकी, अखाड़े में पहलवानों की जोर-आजमाइश और लाठी व लकड़ी के सामान की खरीदारी इस मेले को आज भी मगध की जीवंत लोक विरासत बनाए हुए है।

चार विकास योजनाओं का मंत्री श्रवण कुमार ने किया शिलान्यास

सुशासन दिवस एवं नीतीश संवाद की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं ने मनाया दीपोत्सव

आइडियासिटी संवाददाता



राजगीर। राजगीर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक श्रवण कुमार ने सोमवार को नगर परिषद क्षेत्र में चार विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में वार्ड संख्या 11 के बड़हरी टोला आजादनगर में सामुदायिक भवन की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण, वार्ड संख्या 11 के नीमा गांव में शिवशंकर के घर से नारायण मुखिया के घर तक ढक्कन सहित नाला एवं आरसीसी पुलिया का निर्माण, वार्ड संख्या 13 में रामजी प्रसाद के घर से नारायण मुखिया के घर होते हुए महादेव स्थान तक पीसीसी ढलाई तथा वार्ड संख्या 19 के पटेल नगर में राजकीय उच्च पथ से दुर्गा पूजा समिति तक पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। इस मौके पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उनके कार्यकाल में हुए ऐतिहासिक बदलावों से आज बिहार का हर घर रोशन है और हर दिल में उनके प्रति सम्मान है। वहीं, 24 नवंबर को आयोजित होने वाले सुशासन दिवस एवं नीतीश संवाद की पूर्व संध्या पर मंत्री ने प्रखंड जनता दल यूनाइटेड कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ दीपोत्सव मनाया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऐतिहासिक योगदान और उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 11 दीप जलाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने आवास एवं कार्यालयों में कम से कम 11 दीप जलाकर विकास, सुशासन और समृद्ध बिहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने की अपील की। मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में न्याय के साथ विकास और सुशासन का मॉडल स्थापित हुआ है।

एक समय था, जब लोग बिहारी कहलाने से भी बचते थे, लेकिन आज बिहार और बिहारियों की पहचान गर्व का विषय बन चुकी है। बिहार संग्रहालय से लेकर आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए विकास कार्य उनकी दूरदर्शी सोच और विकास के प्रति संकल्प के उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की 21 वर्षों की विकास यात्रा में सुशासन, जनसेवा और जनहित को प्राथमिकता दी गई है। नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर प्रखंड जदयू अध्यक्ष जयराम सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष जीरो देवी, सुवेन्दर राजवंशी, मुन्ना कुमार, मनोज भैया, देवेंद्र कुशवाहा, अजय पासवान, अजीत वर्मा, राकेश कुमार एवं राजकिशोर यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।



कार्तिक पूर्णिमा पर कोसुक घाट पर आज लगेगा भव्य मेला, सजने लगीं दुकानें

पंचाने नदी में पवित्र स्नान और पूजा-अर्चना के लिए उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बिहारशरीफ के कोसुक घाट (पंचाने नदी तट) पर मंगलवार को भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। वर्षों से यहां कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेला लगता आ रहा है। इसे लेकर घाट के आसपास रौनक बढ़ने लगी है। नदी किनारे दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें सजानी शुरू कर दी हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालु पंचाने नदी में पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना करेंगे। मेले को आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए गए हैं, जहां बच्चे



मनोरंजन करेंगे। वहीं, स्नान और पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खाने-पीने की कई दुकानें और ठेले लगाए जा रहे हैं। यहां लोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद भी चख सकेंगे। सोमवार से ही मेले की तैयारियों को



अंतिम रूप दिया जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कोसुक स्थित पंचाने नदी का संबंध वाल्मीकि रामायण के बालकांड से माना जाता है। यहां पांच अलग-अलग नदियों की धाराओं के मिलने की मान्यता है। इसी धार्मिक महत्व के कारण प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर यहां दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क है। सदर एसडीओ, डीएसपी और दीपनगर थाना पुलिस ने घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया है। मेले में बैरिकेडिंग, पर्याप्त रोशनी और नगर निगम के सहयोग से साफ-सफाई की व्यवस्था की गई है। कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान मंगलवार, 24 नवंबर को होगा। सोमवार की रात 11:42 बजे से पूर्णिमा तिथि प्रारंभ हो जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान और शाम को दीपदान का विशेष महत्व है।

उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन पर नालंदा के डाक अधीक्षक कुंदन कुमार सम्मानित

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने सर्किल कार्यालय में किया सम्मानित

डाक कर्मियों से पीएलआई और आरपीएलआई व्यवसाय बढ़ाने का किया आह्वान

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा डाक मंडल के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन को लेकर डाक अधीक्षक कुंदन कुमार को सम्मानित किया गया है। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने सर्किल कार्यालय में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस उपलब्धि से नालंदा मंडल के डाककर्मियों में खुशी का माहौल है। कर्मचारियों ने डाक अधीक्षक को बधाई देते हुए इसे पूरे मंडल के लिए गौरव की बात बताया। सम्मान प्राप्त करने के बाद कुंदन कुमार ने सभी डाककर्मियों का आभार जताया। उन्होंने कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और सहयोग की सराहना करते हुए विभागीय कार्यों में इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की



अपील की। साथ ही पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) और रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (आरपीएलआई) के व्यवसाय को और बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीम भावना, आपसी सहयोग और पूर्ण समर्पण के साथ ही विभागीय लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर डाक निरीक्षक रंजीत कुमार रजक, अमलेश कुमार, मनीष कुमार आनंद, कुमार अभिषेक, निरंजन कुमार, राकेश कुमार, मृत्युंजय कुमार सहित नालंदा मंडल के कई डाककर्मी मौजूद रहे। यह सम्मान मंडल के कर्मचारियों के लिए भविष्य में और बेहतर काम करने की प्रेरणा बना है।

राजगीर महोत्सव में 21 स्कूलों के बाल कलाकार दिखाएंगे हुनर

गीत-नृत्य से लेकर नाटक और वादन तक होगी प्रस्तुति

जिला स्तरीय कला उत्सव में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ चयन

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। राजगीर महोत्सव-2026 के महिला महोत्सव में इस बार नालंदा के सरकारी और निजी विद्यालयों के बाल कलाकार भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 26 से 28 नवंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय आयोजन में जिले के 21 विद्यालयों के छात्र-छात्राएं समूह गीत, समूह नृत्य, समूह नाटक और वादन विधा में प्रस्तुति देंगे। इनका चयन जिला स्तरीय कला उत्सव में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी हेमचंद्र ने चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को 23 नवंबर तक प्रतिभागियों की सूची समग्र शिक्षा कार्यालय में जमा कराने और बच्चों को कार्यक्रम स्थल तक भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।



समूह गीत में गिरियक, नगरनौसा, हिलसा, अस्थावां और चंडी के पांच विद्यालय चुने गए हैं। समूह नृत्य में गिरियक, बिहारशरीफ, एकंगरसराय और राजगीर के छह विद्यालय शामिल हैं। समूह नाटक में गिरियक, अस्थावां, हरनौत और बिहारशरीफ के पांच विद्यालयों का चयन हुआ है। वहीं, वादन विधा में चंडी, हिलसा और एकंगरसराय के चार विद्यालय प्रस्तुति देंगे। विद्यालयों को विस्तृत जानकारी दूरभाष से दी जाएगी।

करायपरसुराय में तीन वर्षों से प्रभार में बीईओ पद, स्थायी पदस्थापना की मांग

भाजपा नेता ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर उठाया मामला

आइडियासिटी संवाददाता

करायपरसुराय। भाजपा के करायपरसुराय मंडल अध्यक्ष सह 20 सूत्री कार्यक्रम के प्रखंड उपाध्यक्ष विकास कुमार ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर प्रखंड में स्थायी रूप से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) की पदस्थापना करने की मांग की है। उन्होंने स्पीड पोस्ट के माध्यम से बिहार के शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी को इस संबंध में पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि करीब तीन वर्ष पूर्व करायपरसुराय प्रखंड में कार्यरत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद प्रभार में चल रहा है। वर्तमान में हिलसा प्रखंड में पदस्थापित बीईओ नीतेश रंजन को करायपरसुराय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा वे हरनौत प्रखंड के भी प्रभार में हैं। इस कारण वे महीने में एक-दो बार ही करायपरसुराय आ पाते हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहने के कारण विद्यालयों का निरीक्षण भी नहीं हो पाता है। विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक जब मूलभूत सुविधाओं की कमी, शिक्षा समिति की बैठक नहीं होने, समय से पहले विद्यालय बंद कर दिए जाने समेत अन्य समस्याओं की शिकायत लेकर प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) पहुंचते हैं, तो वहां उनकी मुलाकात बीईओ से नहीं हो पाती है। ऐसी स्थिति में अभिभावक अपनी समस्याएं और शिकायतें किसके समक्ष रखें। उन्होंने शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि करायपरसुराय प्रखंड में स्थायी रूप से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की पदस्थापना की जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी हो सके और विद्यालयों का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

सहायक शिक्षिका सोनी कुमारी के निधन से शिक्षकों और ग्रामीणों में शोक

आइडियासिटी संवाददाता

एकंगरसराय। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय मुफ्तीगंज में कार्यरत सहायक शिक्षिका एवं बादराबाद गांव निवासी सोनी कुमारी का इलाज के दौरान पटना में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। उनके निधन पर मध्य विद्यालय मुफ्तीगंज के शिक्षकों सहित प्रखंड क्षेत्र के शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सोमवार को पटना से सोनी कुमारी का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव बादराबाद लाया गया।

पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए पार्थिव शरीर को फतुहा स्थित गंगा घाट ले गए, जहां उनका दाह संस्कार किया गया। बताया जाता है कि सोनी कुमारी पिछले कई महीनों से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज पटना में चल रहा था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके असामयिक निधन से शिक्षकों, परिजनों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों में गहरा दुख व्याप्त है।



20 साल से सड़क की बाट जोह रहा पचौरा का बेलदार टोली



आइडियासिटी संवाददाता

हरनौत (नालंदा)। गांव में सड़क हो तो अस्पताल, स्कूल, मंदिर और बाजार तक पहुंचना आसान हो जाता है, लेकिन जब रास्ता ही कच्चा हो तो रोजमर्रा की जिंदगी भी मुश्किल बन जाती है। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के पचौरा गांव के वार्ड संख्या-09 स्थित बेलदार टोली के ग्रामीणों की परेशानी कुछ ऐसी ही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब 20 वर्षों से वे सड़क की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें पक्की सड़क की सुविधा नहीं मिल सकी है। आइडियासिटी न्यूज के आधिकारिक शिकायत पोर्टल पर दर्ज शिकायत संख्या CMP202611228274 में शिकायतकर्ता ने बताया है कि रास्ता नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अस्पताल, स्कूल, मंदिर और बाजार आने-जाने में काफी परेशानी होती है। खासकर बरसात के मौसम में कच्चे रास्ते की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे आवागमन में दिक्कत बढ़ जाती है। शिकायतकर्ता ने मुखिया, वार्ड प्रतिनिधि और पंचायत स्तर पर समस्या का समाधान नहीं होने की बात भी कही है।

मुखिया प्रतिनिधि ने क्या कहा ?

इस मामले में मुखिया प्रतिनिधि सोनू कुमार से बात की गई तो उन्होंने ग्रामीणों की समस्या को लेकर अपना पक्ष रखा। उनका कहना है कि गांव के मुख्य निकास और गलियों में पीसीसी ढलाई का काम काफी पहले ही पूरा कराया जा चुका है। हालांकि, बेलदार टोली में करीब 7 से 8 घर ऐसे हैं, जहां तक पहुंचने वाला रास्ता अभी भी कच्चा है। उन्होंने बताया कि इस हिस्से में पीसीसी ढलाई कराने के लिए जिला परिषद की योजना में प्रस्ताव शामिल किया गया है। योजना पारित होते ही निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाएगा।

अब ग्रामीणों को इंतजार, कब मिलेगी पक्की सड़क ?

एक तरफ ग्रामीण करीब दो दशक से सड़क की समस्या का समाधान नहीं होने की शिकायत कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ जनप्रतिनिधि मुख्य गलियों में काम पूरा होने और शेष हिस्से के लिए जिला परिषद की योजना का हवाला दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि यदि गांव के मुख्य रास्तों का निर्माण हो चुका है, तो बेलदार टोली के इन 7-8 घरों तक पक्की सड़क की सुविधा अब तक क्यों नहीं पहुंच सकी? फिलहाल योजना पारित होने की बात सामने आई है, लेकिन ग्रामीणों को आश्वासन से आगे वास्तविक निर्माण कार्य का इंतजार है। अब देखना होगा कि जिला परिषद की योजना कब स्वीकृत होती है और बेलदार टोली के लोगों को कच्चे रास्ते की परेशानी से कब तक निजात मिलती है।

शटडाउन के बाद बिजली चालू होने से दो बिजली मिस्त्रियों की हुई मौत

जदयू नेता ने दोषी कर्मियों पर हत्या की प्राथमिकी की उठाई मांग

आइडियासिटी संवाददाता

नूरसराय। नूरसराय प्रखंड में बीते 10 दिनों के दौरान करंट लगने से दो बिजली मिस्त्रियों की मौत हो चुकी है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जदयू के जिला महासचिव सह नालंदा मुखिया संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद यादव ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोनों घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। ज्ञापन में जदयू नेता ने बताया है कि दोनों घटनाएं विद्युत विभाग के कर्मियों की लापरवाही के कारण हुई हैं। आरोप है कि शटडाउन लेने के बाद भी करण बिगहा पावर ग्रिड से बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई, जिससे दो लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि लगातार इस तरह की घटनाएं होना गहरी साजिश की ओर इशारा करता है। इसलिए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को ममुराबाद में शटडाउन लेने के बाद मानव बल चंदन कुमार बिजली का काम कर रहे थे। इसी दौरान करण बिगहा पावर ग्रिड से बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई, जिससे करंट लगने के कारण झुलसकर चंदन कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक नूरसराय प्रखंड के मोकरमपुर गांव निवासी स्वर्गीय कामता सिंह के पुत्र थे। वह अत्यंत गरीब परिवार से थे। उनके दो छोटे बच्चे हैं, जिनकी उम्र छह और नौ वर्ष है। चंदन की मौत के बाद परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उठाने वाला कोई नहीं बचा है। उन्होंने मृतक के दोनों बच्चों और परिवार के भरण-पोषण के लिए उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। इसी तरह इससे पहले दहपर गांव निवासी मानव बल जीतू कुमार की भी बिजली करंट लगने से मौत हो चुकी है। आरोप है कि शटडाउन लेने के बावजूद बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई थी, जिससे उनकी जान चली गई। अरविंद यादव ने दोनों घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषी विद्युत कर्मियों के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

लावारिस कुत्ते का आतंक, 50 लोगों को काटकर किया जख्मी

बाजार में कुत्ते के हमले से मची अफरातफरी

आइडियासिटी संवाददाता

करायपरसुराय। इन दिनों करायपरसुराय बाजार के लोग एक लावारिस कुत्ते के आतंक से परेशान हैं। सोमवार को एक लावारिस कुत्ते ने बाजार में जमकर उत्पात मचाया और करीब 50 लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। सभी घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई। बताया जाता है कि करायपरसुराय प्रखंड मुख्यालय स्थित बाजार में सोमवार को अचानक एक लावारिस कुत्ते ने लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। बाजार में खरीदारी करने आए करीब 50 लोगों को कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। अचानक हुए इस हमले से पूरे बाजार में अफरातफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुत्ते के आतंक से बाजार में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में लावारिस कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से इन पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से लावारिस कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। इस संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, करायपरसुराय के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने बताया कि सोमवार को कुत्ते के काटने से जख्मी करीब 50 लोग इलाज कराने पहुंचे थे। सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई है। उन्होंने बताया कि फिलहाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगभग 300 एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुत्ते के काटने पर लापरवाही न बरतें और जख्मी व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाएं।

राजगीर महोत्सव में तीन दिन महिलाओं के नाम, मेहंदी से रैंप वॉक तक होंगी प्रतियोगिताएं

26 से 28 नवंबर तक सजेगा महिला महोत्सव का मंच

आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य और नशामुक्ति पर भी होगी परिचर्चा



आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। राजगीर महोत्सव-2026 में इस बार महिलाओं की प्रतिभा, हुनर और सशक्तीकरण का रंग देखने को मिलेगा। 26 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय महिला महोत्सव की जिला प्रशासन ने रूपरेखा तैयार कर ली है। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मेहंदी, फैंसी ड्रेस, व्यंजन, भाषण, क्विज, कविता पाठ और रैंप वॉक प्रतियोगिताएं होंगी। पहले दिन 26 नवंबर को नृत्य, गायन और नाटक के बाद आत्मरक्षा, साइबर अपराध, इंटरनेट सुरक्षा, क्रोध एवं रिश्तों के प्रबंधन तथा नशे के दुष्प्रभाव पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। इसके बाद मेहंदी और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं होंगी। 27 नवंबर को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हिंदी-अंग्रेजी आशुभाषण, क्विज और व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित होगी। महिला स्वास्थ्य पर चिकित्सकीय परिचर्चा भी होगी।

अंतिम दिन 28 नवंबर को खुला मंच भाषण, कविता वाचन और रैंप वॉक प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहेंगी। तीनों दिन पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ जागरूकता और आत्मनिर्भरता का मंच देना है।



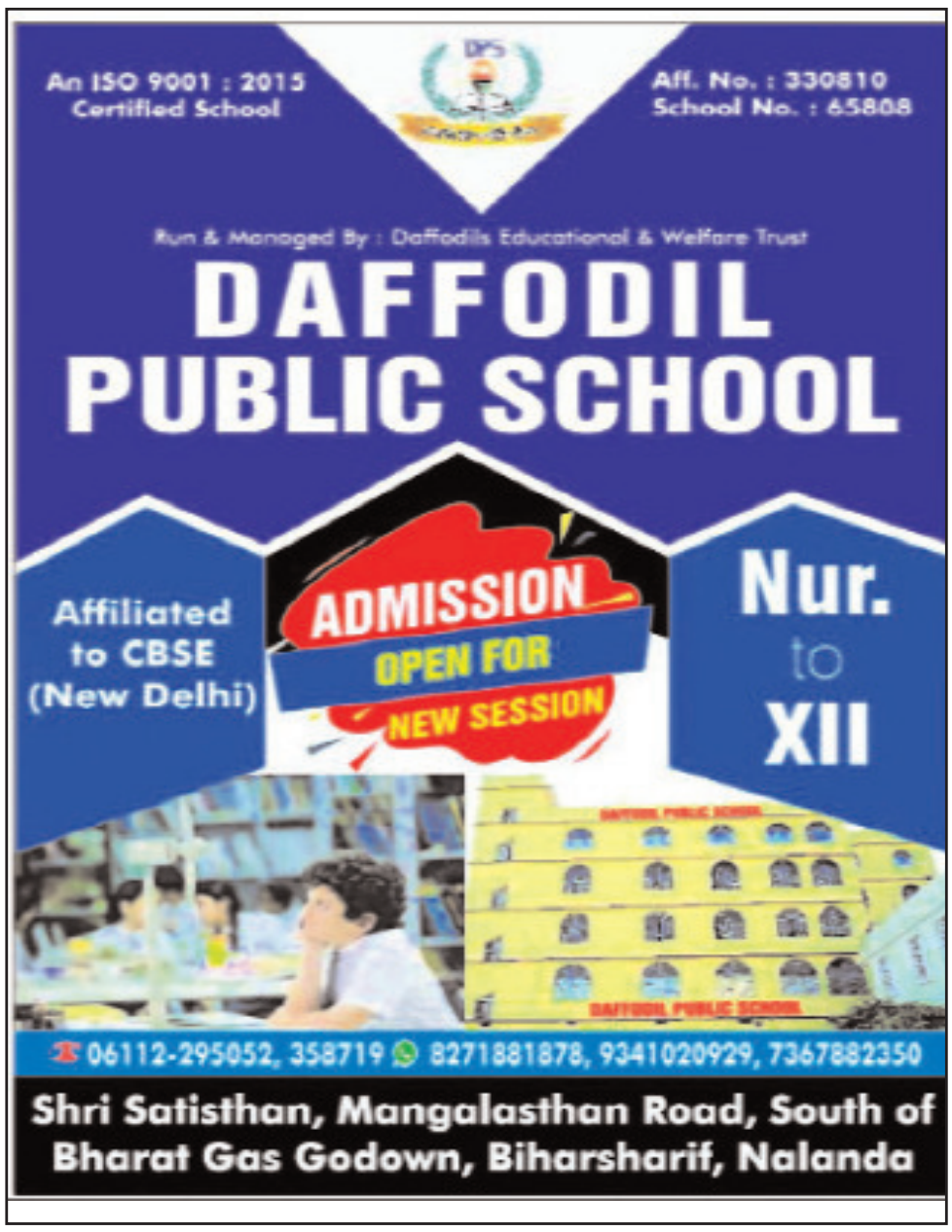

बिहारशरीफ में जाम से निपटने की तैयारी, चार बस स्टैंडों का होगा कायाकल्प

शहर में फिलहाल सिर्फ 431 चारपहिया वाहनों की पार्किंग क्षमता



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। बढ़ती आबादी और वाहनों के दबाव से जूझ रहे बिहारशरीफ शहर को जाम से राहत दिलाने के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान-2047 में परिवहन और पार्किंग व्यवस्था को नए सिरे से विकसित करने की सिफारिश की गई है। डीडीएफ कंसल्टेंट्स की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, शहर के चार प्रमुख बस स्टैंडों की क्षमता और सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। रामचंद्रपुर बस स्टैंड से प्रतिदिन 250 बसें और करीब 8 हजार यात्री आवागमन करते हैं। सरकारी बस स्टैंड से 48 बसें और 3 हजार यात्री, खंदकपर से 60 बसें और 1,920 यात्री, जबकि कारगिल बस स्टैंड से 30 बसें और एक हजार यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं। रिपोर्ट में रामचंद्रपुर के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने तथा सरकारी और खंदकपर बस स्टैंड की सुविधाएं बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। शहर के 11 पार्किंग स्थलों पर कुल 431 चारपहिया वाहन ही खड़े हो सकते हैं। रिपोर्ट में सोहसराय, एतवारी बाजार और बाजार समिति जैसे व्यस्त इलाकों में मल्टीलेवल या भूमिगत पार्किंग विकसित करने की जरूरत बताई गई है।

डीएम की जन-सुनवाई में 33 फरियादियों ने रखीं समस्याएं, जमीन कब्जे से पेंशन तक के मामलों पर निर्देश

उदिता सिंह ने संबंधित अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के आदेश

अवैध बालू खनन और अतिक्रमण की शिकायतों पर भी लिया संज्ञान



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। आम लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में जन-सुनवाई आयोजित की गई। इसमें कुल 33 फरियादियों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं रखीं। डीएम ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी निष्पादन का निर्देश दिया। जन-सुनवाई में पांच महीने से वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान नहीं होने और पेंशन बंद होने, जमीन पर जबरन कब्जा कर जोतने, गैरमजरूआ जमीन पर अवैध निर्माण, बालू के अवैध खनन और सहयोग पोर्टल पर आवेदन के बावजूद जमाबंदी कायम नहीं करने की शिकायतें आईं। बच्चों के विद्यालय में नामांकन और पति द्वारा साथ नहीं रखने से जुड़े पारिवारिक विवाद भी सामने आए। पेंशन मामलों में सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जमीन विवाद में एसडीओ और एसडीपीओ बिहारशरीफ तथा अतिक्रमण की शिकायत पर अपर समाहर्ता को कार्रवाई का निर्देश दिया गया। अवैध खनन के मामले में जिला खनन पदाधिकारी और जमाबंदी के लिए कतरीसराय सीओ को निर्देशित किया गया। पारिवारिक विवाद और विद्यालय में नामांकन के मामलों में महिला विकास निगम तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

हिलसा बाजार में लगी भीषण जाम, अधिकारियों ने मौके पर पहुंच संभाला मोर्चा।

स्कूली बच्चों और आम राहगीरों को हुई परेशानी



आइडियासिटी संवाददाता

हिलसा । हिलसा शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए अनुमंडल प्रशासन लगातार सक्रिय है। अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, थानाध्यक्ष चंद्रभानु और नगर परिषद के पदाधिकारी सहित अन्य कर्मी सुबह से शाम तक यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में जुटे हैं। इसके बावजूद बिहारी रोड में कुछ दुकानदारों की मनमानी के कारण जाम की समस्या गंभीर बनी हुई है।बताया जाता है कि कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के सामने सड़क किनारे ट्रक एवं अन्य मालवाहक वाहनों को खड़ा करवा देते हैं, जिससे सड़क पर आवागमन बाधित हो जाता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा स्कूली बच्चों और आम राहगीरों को भुगतना पड़ता है। सोमवार की दोपहर 3 बजे बिहारी रोड में भीषण जाम लग गया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोग घंटों परेशान रहे।इसी दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, एसडीओ अमित कुमार पटेल और थानाध्यक्ष चंद्रभानु मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने तत्काल जाम हटवाने की कार्रवाई शुरू की और काफी मशक्कत के बाद यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया।इस दौरान सड़क किनारे खड़ी बसों एवं मालवाहक वाहनों के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की गई। वहीं, प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में आम लोगों को भड़काने और व्यवस्था में बाधा डालने के आरोप में दो दुकानदारों को हिरासत में लिया गया। ओवरलोड ट्रक पर जुर्माना की राशि वसूलने के लिए टीटीओ को फोन किया गया है। प्रशासन की लगातार कार्रवाई के बावजूद बिहारी रोड में जाम की समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रही है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने सड़क पर अनावश्यक वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध नियमित कार्रवाई करने की मांग की है।



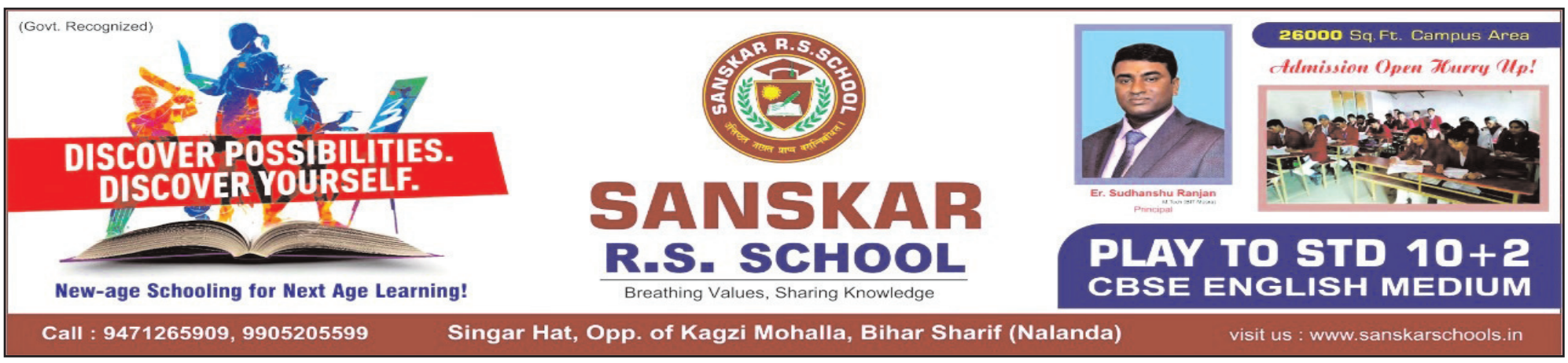

छोटी पहाड़ी का खुला नाला हो या स्कूल का रास्ता

लंबित जनसमस्याओं पर डीएम सख्त : विभागों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। जनसमस्याओं के समाधान में देरी और विकास योजनाओं के लंबित कार्यों को लेकर जिलाधिकारी उदिता सिंह ने सोमवार को अधिकारियों को तेजी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समाहरणालय स्थित न्यू एनआईसी भवन में आयोजित साप्ताहिक समन्वय सह समीक्षा बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं, भूमि आवंटन और जनशिकायतों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला स्तरीय अधिकारी बैठक में प्रत्यक्ष रूप से, जबकि प्रखंड और अंचल स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग



से जुड़े। डीएम ने मुख्यमंत्री त्वरित प्रतिक्रिया दल (सीएम क्यूआरटी) से प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिना विलंब समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इनमें करायपरसुराय के राजकीय मध्य विद्यालय सतराजबाग का पहुंच पथ, बिहारशरीफ की छोटी पहाड़ी में खुला नाला, थरथरी के प्राथमिक विद्यालय श्रीनगर की चहारदीवारी और इसलामपुर के फरीदपुर में जलनिकासी की समस्या शामिल है।

संबंधित विभागों को अविलंब अनुपालन का निर्देश दिया गया। बैठक में जनशिकायत निवारण कोषांग, मानवाधिकार आयोग और उच्च न्यायालय में लंबित मामलों की भी समीक्षा हुई। इसके अलावा कायाकल्प योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि, परीक्षा भवन निर्माण, पीएम सूर्य घर योजना, राशन कार्ड, ई-केवाईसी और आईसीडीएस की प्रगति पर चर्चा कर निर्धारित लक्ष्य शीघ्र पूरा करने को कहा गया।

28 हजार बच्चों में तलाशेंगे तैराकी के चैंपियन, वैज्ञानिक कसौटी पर होगी प्रतिभाओं की पहचान

1,000 मास्टर ट्रेनरों को भी मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार के गांव-कस्बों में तैराकी की छिपी प्रतिभाओं को अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण भारतीय तैराकी महासंघ के तकनीकी सहयोग से प्रदेशव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू करने की योजना बना रहा है। खास बात यह है कि इस मुहिम में पहले से प्रशिक्षित 28 हजार बच्चों और करीब 1,000 मास्टर ट्रेनरों के अनुभव का इस्तेमाल किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को खेल मंत्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें प्रशिक्षण नेटवर्क, बच्चों के प्रदर्शन के आंकड़ों, प्रतिभा पहचान के वैज्ञानिक मानकों और जिला व प्रखंड स्तर पर परीक्षण की व्यवस्था पर चर्चा हुई।

खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि पिछले चार वर्षों में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से 28 हजार बच्चों को तैराकी प्रशिक्षण दिया गया है। इनके प्रदर्शन और तैराकी के समय का रिकॉर्ड उपलब्ध है। पहले चरण में आंकड़ों के आधार पर बच्चों की छंटनी होगी।

फिर शारीरिक क्षमता और तैराकी कौशल का परीक्षण कर चयनित बच्चों को व्यवस्थित प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं से जोड़ा जाएगा। मास्टर ट्रेनरों के लिए विशेष कार्यशाला भी आयोजित होगी।

मरीन ड्राइव पर 200 साइक्लिस्टों का दमखम, छह वर्गों में पटना, सारण और तिरहुत के खिलाड़ियों का जलवा

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। जेपी गंगा पथ यानी मरीन ड्राइव सोमवार को युवा साइक्लिस्टों के जोश और रफ्तार का गवाह बना। यहां राज्य स्तरीय विद्यालय साइक्लिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ, जिसमें बिहार के सभी नौ प्रमंडलों के करीब 200 बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-



19 के छह वर्गों में मुकाबले हुए। जिला खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की। एलसीटी घाट से दीघा गोलंबर तक आयोजित रेस में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। अंडर-14 बालिका वर्ग में पटना की रागिनी कुमारी और बालक वर्ग में तिरहुत के रवि रंजन कुमार विजेता बने। अंडर-17 बालिका में मगध की सुप्रिया कुमारी और बालक में तिरहुत के ऋतिक कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-19 बालिका में तिरहुत की सृष्टि कुमारी, जबकि बालक वर्ग में सारण के आर्यन सिंह अव्वल रहे। खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का संचालन तकनीकी पदाधिकारियों की निगरानी में किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य टीम के लिए होगा।

हिलसा में आज होगा भव्य दीपोत्सव, रंगोली प्रतियोगिता में बच्चे दिखाएंगे प्रतिभा

सूर्य मंदिर तालाब परिसर में सार्थक प्रेरणा फाउंडेशन करेगा आयोजन

आइडियासिटी संवाददाता

हिलसा । कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के पावन अवसर पर सार्थक प्रेरणा फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को हिलसा स्थित ऐतिहासिक सूर्य मंदिर तालाब परिसर में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दीपोत्सव के साथ रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं अपनी कला और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थल को आकर्षक रंगोली और दीपों से सजाने की तैयारी की जा रही है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक प्रतिभा एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

सार्थक प्रेरणा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं समाजसेवी विकास कुमार ने कहा कि देव दीपावली हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक परंपरा का अद्भुत पर्व है। दीप जलाना अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर बढ़ने का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य हिलसा की ऐतिहासिक एवं धार्मिक पहचान को सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से नई पहचान दिलाना है। उन्होंने नालंदा जिले के प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं माताओं-बहनों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयास से ऐसे आयोजन यादगार बनते हैं।

"Learning the practical value of knowledge"
NALANDA VIDYA MANDIR
(A Unit of Magadh Educational Society)
Affiliated to C.B.S.E., New Delhi
N.H.-20, Patasang, P.O.: Amba, P.S.- Bhaganbigha, Dist.: Nalanda, State: Bihar-803119
Mob.: 9570230951, 9570230966, 9835630966
Email: nalandavidyamandir@yahoo.in | Website: www.nvm.edu.in
Come enroll with us and get plugged into the world...!!!
Class Nur. to 10+2
• We develop whats already inside you.
• Co-Education. Wi-Fi Campus.
• Ultra Modern and anti Earthquake Building.
• Transport facility.
• Experienced team of teachers.
• Cashless Fee Deposit facility.
• Multimedia Classroom and Library.
• Advance Science & Computer Lab.
• Medical Facility.
• Spacious Playground for Games & Sports.
• Preparation of competitive Exam from Class-IX.
ADMISSION OPEN 2026

गुरुकुल विद्यापीठ
10+2
गुरूकुल सेवायतन न्यास द्वारा संचालित
राजेन्द्र प्रसाद
प्रधानाध्यापक
पटेल उ.वि. बिहारशरीफ
सहायक शिक्षक
आदर्श उ.वि. बिहारशरीफ
आवासीय सुविधा से युक्त अत्याधुनिक छात्रावास
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत छात्राओं को विशेष छूट
• पटेल नगर, नईसराय, बिहारशरीफ (नालन्दा)
मोबाइल - 9835473199
• जगदेव नगर, गाजीपुर, बिन्द (नालन्दा)
मोबाइल - 7479559755
www.gurukulvidyapeeth.co | email: gurukulvidyapeethschool@gmail.com